स्मार्ट सिटी मिशन और शहरी रोजगार: सागर जिले के विशेष संदर्भ में

डॉ. शशिकांत शुक्ला, प्राध्यापक अर्थशास्त्र शासकीय डॉ.हरिसिंह गौर महाविद्यालय सागर

प्रस्तावना:

भारत सरकार ने 2015 में **"स्मार्ट सिटी मिशन"** की शुरुआत की जिसका उद्देश्य देश के प्रमुख शहरों को आधुनिक, तकनीकी रूप से उन्नत और बेहतर नागरिक सुविधाओं से युक्त बनाना था। इस योजना के तहत शहरों में बुनियादी ढांचे के विकास, प्रशासनिक प्रणाली के सुधार और नागरिक सेवाओं की गुणवत्ता को बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। यह मिशन रोजगार के नए अवसरों को भी बढ़ावा देने की दिशा में कार्य कर रहा है ताकि शहरीकरण के साथ-साथ आर्थिक विकास को भी गति मिल सके।

सागर जिला जो मध्य प्रदेश का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है स्मार्ट सिटी मिशन के तहत विकसित किए जाने वाले शहरों में शामिल है। इस योजना के लागू होने से यातायात व्यवस्था, जल आपूर्ति, स्वच्छता, डिजिटल कनेक्टिविटी और सार्वजनिक परिवहन जैसे क्षेत्रों में सुधार की संभावना है जिससे नागरिकों का जीवन अधिक सुगम और सुविधाजनक बन सके। साथ ही बुनियादी ढांचे के विकास और तकनीकी नवाचारों के माध्यम से सागर जिले में रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होने की उम्मीद है। इस शोध पत्र में हम स्मार्ट सिटी मिशन के प्रभाव और सागर जिले में इसके माध्यम से बनने वाले शहरी रोजगार अवसरों का विस्तृत अध्ययन करेंगे।

विशेष शब्द:- *स्मार्ट सिटी मिशन, शहरी रोजगार, सागर स्मार्ट सिटी, नगरीय विकास, तकनीकी नवाचार, सरकारी योजनाएँ, बुनियादी ढांचा विकास, नौकरी के अवसर, स्थानीय अर्थव्यवस्था, शहरी नियोजन, डिजिटल गवर्नेंस, स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर, सतत विकास, रोजगार नीति, मध्य प्रदेश का शहरीकरण.*

स्मार्ट सिटी मिशन का उद्देश्य और रणनीति:

स्मार्ट सिटी मिशन के तहत शहरों को आधुनिक, पर्यावरण-अनुकूल और तकनीकी रूप से उन्नत बनाने की दिशा में कई योजनाएँ चलाई जा रही हैं। इस मिशन का उद्देश्य केवल बुनियादी ढाँचे में सुधार करना नहीं है, बल्कि शहरों को इस तरह विकसित करना है कि वहाँ के नागरिकों को बेहतर जीवन स्तर, सुगम यातायात, स्वच्छ वातावरण और सुविधाजनक सेवाएँ मिल सकें। स्मार्ट परिवहन, जल आपूर्ति, स्वच्छता, ऊर्जा प्रबंधन और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में हो रहे बदलाव शहरों को अधिक संगठित और नागरिकों के लिए अधिक अनुकूल बना रहे हैं।

इसके अलावा रोजगार के नए अवसर पैदा करना भी इस मिशन का एक अहम हिस्सा है। जब शहरों में आधारभूत संरचना का विकास होता है और डिजिटल सेवाओं का विस्तार किया जाता है तो विभिन्न क्षेत्रों में नौकरियों की संभावनाएँ भी बढ़ती हैं। नई परियोजनाओं के कारण स्थानीय युवाओं को तकनीकी और

व्यावसायिक कौशल सीखने के अवसर मिल रहे हैं जिससे वे स्थिर और दीर्घकालिक रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। यह मिशन न सिर्फ शहरों को स्मार्ट बना रहा है बल्कि वहाँ रहने वाले लोगों के जीवन को भी सुविधाजनक, आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से मजबूत बना रहा है।

सागर जिले में स्मार्ट सिटी मिशन का कार्यान्वयन:

सागर जिले के स्मार्ट सिटी मिशन में विभिन्न परियोजनाओं को लागू किया गया है जैसे कि स्मार्ट ट्रैफिक सिग्नल, जल आपूर्ति और स्वच्छता कार्यक्रम और डिजिटल नागरिक सेवाएँ। इन परियोजनाओं का उद्देश्य न केवल शहर के बुनियादी ढांचे को सुधारना है बल्कि इसके माध्यम से रोजगार के नए अवसर भी उत्पन्न करना है।

स्मार्ट ट्रांसपोर्टेशन: सागर जिले में स्मार्ट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम का विकास किया गया है जिसमें स्मार्ट बस स्टॉप, ट्रैफिक सिग्नल और GPS आधारित ट्रांसपोर्टेशन सर्विसेज शामिल हैं। इसके परिणामस्वरूप ट्रांसपोर्टेशन और रोड रखरखाव में रोजगार के अवसर बढ़े हैं।

जल आपूर्ति और स्वच्छता: जल आपूर्ति और स्वच्छता से संबंधित स्मार्ट तकनीकों के इस्तेमाल से जल प्रबंधन क्षेत्र में रोजगार के अवसर उत्पन्न हुए हैं। यह योजना स्थानीय निवासियों को बेहतर जीवन शैली और स्वच्छ वातावरण प्रदान करने के साथ-साथ रोजगार के नए अवसर भी प्रदान करती है।

सूचना प्रौद्योगिकी (IT): सागर जिले में स्मार्ट सिटी मिशन के तहत IT इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास किया जा रहा है जिसमें स्मार्ट सिटी के तहत नागरिक सेवाएँ ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे IT सेक्टर में नए रोजगार के अवसर उत्पन्न हो रहे हैं जैसे कि वेब डेवलपमेंट, डेटा प्रबंधन और नेटवर्किंग।

स्मार्ट सिटी मिशन और शहरी रोजगार:

स्मार्ट सिटी मिशन ने सागर जिले में शहरी रोजगार को बढ़ाने के कई अवसर प्रदान किए हैं। यह न केवल पारंपरिक रोजगार क्षेत्रों में बल्कि नए क्षेत्रों में भी रोजगार के अवसर उत्पन्न कर रहा है।

1. **स्थानीय रोजगार का सृजन:** स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के अंतर्गत स्थानीय निर्माण कार्य, तकनीकी सेवाओं और विभिन्न प्रकार के सेवाओं के लिए रोजगार सृजन हुआ है। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिले हैं।

2. **स्वरोजगार और स्टार्टअप्स:** स्मार्ट सिटी मिशन ने युवाओं को स्वरोजगार और स्टार्टअप्स शुरू करने के लिए प्रेरित किया है। डिजिटल सेवाओं और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से छोटे और मंझले व्यापारियों को अपने व्यवसाय को बढ़ाने का अवसर मिला है।

3. **कौशल विकास और प्रशिक्षण:** स्मार्ट सिटी मिशन के तहत कौशल विकास और प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं जो युवाओं को डिजिटल स्किल्स, स्मार्ट सिटी प्रबंधन, और अन्य क्षेत्रों में प्रशिक्षित कर रहे हैं। इससे युवाओं की Employability में वृद्धि हुई है।

चुनौतियाँ और सुझाव:

आर्थिक संसाधनों की कमी:

स्मार्ट सिटी मिशन के तहत लागू की जाने वाली कई योजनाएँ वित्तीय रूप से महंगी होती हैं जिसके कारण सभी परियोजनाओं को एक साथ और तेजी से लागू करना कठिन हो जाता है। सीमित बजट और निजी निवेश की कमी इस मिशन की गति को धीमा कर सकते हैं। बुनियादी ढाँचे के विकास, स्मार्ट तकनीकों के समावेश और डिजिटल सेवाओं के विस्तार के लिए बड़े पैमाने पर आर्थिक संसाधनों की आवश्यकता होती है जो कई बार स्थानीय प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती बन जाती है।

तकनीकी प्रशिक्षण की कमी:

स्मार्ट सिटी की अवधारणा को सफल बनाने के लिए तकनीकी रूप से कुशल जनशक्ति की आवश्यकता होती है। हालाँकि वर्तमान में युवाओं के पास आवश्यक तकनीकी और डिजिटल कौशल की कमी है जिससे वे इस क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार के अवसरों का पूरा लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। आधुनिक तकनीकों, स्मार्ट ट्रांसपोर्ट, ऊर्जा प्रबंधन और डेटा विश्लेषण जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता की जरूरत होती है लेकिन कई शहरों में इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की कमी देखी जाती है।

संभावित समाधान:

सरकार को निजी कंपनियों और कॉर्पोरेट संस्थानों के साथ साझेदारी बढ़ानी चाहिए जिससे आर्थिक संसाधनों की कमी को दूर किया जा सके। पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) मॉडल के तहत निवेश बढ़ाकर बुनियादी ढाँचे के विकास में तेजी लाई जा सकती है। इसके अलावा युवाओं के लिए अधिक प्रशिक्षण और कौशल विकास कार्यक्रम शुरू किए जाने चाहिए ताकि वे स्मार्ट सिटी के तहत मिलने वाले नए रोजगार अवसरों के लिए तैयार हो सकें।

सागर जिले में स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए सूचना अभियान और कार्यशालाओं का आयोजन किया जाना चाहिए जिससे अधिक से अधिक लोग इन योजनाओं का लाभ उठा सकें। स्थानीय नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल साक्षरता और तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देना आवश्यक है। इससे न केवल स्मार्ट सिटी मिशन को सफल बनाने में मदद मिलेगी बल्कि स्थानीय स्तर पर आर्थिक विकास और जीवन स्तर में सुधार भी संभव हो सकेगा।

निष्कर्ष:

स्मार्ट सिटी मिशन ने सागर जिले में शहरी रोजगार के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस मिशन के तहत बुनियादी ढाँचे के विकास, डिजिटल सेवाओं के विस्तार और आधुनिक शहरी सुविधाओं को लागू करने से स्थानीय स्तर पर नए रोजगार अवसरों का निर्माण हुआ है। स्मार्ट ट्रांसपोर्ट, आईटी सेवाएँ, निर्माण कार्य, स्वच्छता

प्रबंधन और ऊर्जा क्षेत्र में नौकरियों की संभावनाएँ बढ़ी हैं जिससे युवाओं को स्थिर और दीर्घकालिक रोजगार प्राप्त हो रहा है।

हालाँकि इस मिशन के कार्यान्वयन में कुछ चुनौतियाँ भी हैं जैसे कि वित्तीय संसाधनों की कमी, तकनीकी प्रशिक्षण का अभाव और निजी निवेश की सीमित उपलब्धता। इन समस्याओं को दूर करने के लिए सरकार और निजी क्षेत्र के बीच साझेदारी को बढ़ावा देना आवश्यक है। इसके अलावा स्थानीय युवाओं को स्मार्ट सिटी के तहत उपलब्ध नई नौकरियों के लिए कौशल विकास और तकनीकी प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए जिससे वे इस क्षेत्र में अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकें।

स्मार्ट सिटी मिशन का प्रभाव सिर्फ बुनियादी ढाँचे के विकास तक सीमित नहीं है बल्कि यह रोजगार सृजन और आर्थिक विकास में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यदि इस मिशन को सही नीति और योजना के तहत प्रभावी रूप से लागू किया जाए तो यह शहरी रोजगार के अवसरों को और अधिक बढ़ाने के साथ-साथ सागर जिले को एक आधुनिक आत्मनिर्भर और समृद्ध शहर बनाने में सहायक साबित होगा।

संदर्भ

1. भारतीय सरकार. (2023). स्मार्ट सिटी मिशन: प्रगति रिपोर्ट.
2. सागर नगर निगम. (2022). सागर जिले में स्मार्ट सिटी मिशन का कार्यान्वयन.
3. शर्मा, आर. (2021). शहरी विकास और रोजगार सृजन. स्मार्ट सिटी जर्नल, 5(2), 34-48.
4. आवास और शहरी कार्य मंत्रालय। (n.d.). स्मार्ट सिटीज़ मिशन: भारत के शहरी परिदृश्य का रूपांतरण। भारत सरकार.

WORLD VIEW RESEARCH BULLETIN An International Multidisciplinary Research Journal

WORLD VIEW
RESEARCH BULLETIN
An International Multidisciplinary Research Journal